हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार, 10 फरवरी 2025

11 प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसान को देसी गाय...

12 एक किलोमीटर के दायरे में पूर्व मंत्री और दो विधायक के आवास होने...

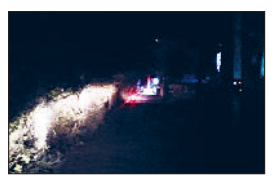

12 साल में शहर को अतिक्रमण मुक्त नहीं बना पाया नपा प्रशासन

- यातायात जाम की समस्या ने लोगों की बढ़ाई परेशानी, शहर की स्वच्छता व सुंदरता प्रभावित
- सड़कों के दोनों तरफ 40 फीट चौड़े फुटपाथ पर रेहड़ी व खोमचे संचालक कर रहे हैं दुकानदारी 15-20 हजार हर महीने हो रही किराया वसूली

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

शहर को नपा का दर्जा मिले हुए करीब 12 साल बीत गए हैं। अभी तक शहर को अतिक्रमण व पेयजल संकट की समस्या से निजात नहीं मिल पाई है। सड़कों के दोनों तरफ करीब 40 फिट चौड़े फुटपाथ पर रेहड़ी और खोमचे संचालकों ने अतिकमण कर लिया। ऐसे में यात्रियों को सड़क पर वाहनों की पार्किंग करके विभिन्न दुकानों से खरीददारी करनी पड़ती है। जिस कारण शहर में यातायात जाम की समस्या बनी हुई है।

आपको बता दें कि 21 जनवरी 2013 को नांगल चौधरी नपा का गठन किया गया था। इसके बाद उप तहसील से तहसील का दर्जा दे दिया गया, तीन साल पहले सरकार ने नांगल चौधरी को उप मंडल भी बना दिया है। जिससे लोगों को शहर जैसी तमाम सुविधाएं मिलने की उम्मीद हुई थी, लेकिन बीते 12 सालों में शहर वासियों को यातायात जाम की समस्या से निजात नहीं मिली।

हालांकि सरकार ने बाइपास का निर्माण करके निजामपुर रोड से लिंक किया गया है। बाईपास निर्माण के बाद शहर में बड़े वाहनों के एंट्री की अनुमति नहीं, साथ ही सड़क के दोनों तरफ 20-20 फिट चौड़ा फुटपाथ मार्ग छोड़ा गया है। निजामपुर सड़क के फुटपाथ का करीब 70 लाख की लागत से पक्का निर्माण कराया गया था। दुकानों के आगे से नाले का भी निर्माण कराया था, ताकि बारिश का पानी कृष्णावती नदी में डिस्पोज हो सके, लेकिन सड़क के दोनों तरफ रेहड़ी व खोमचे संचालकों ने अतिक्रमण कर लिया। किनारे तक रेहड़ी लगी होने की वजह से यात्रियों को सड़क पर पैदल चलना पड़ता है। ग्राहकों की सड़क पर वाहन खड़े करके खरीददारी करना मजबूरी हो गई। ऐसे में

नांगल चौधरी। शहर की निजामपुर सड़क के किनारे तक पसरा अतिक्रमण। फोटो : हरिभूमि

वाहनों को 8-10 फिट चौड़ी सड़क पर आवागमन करना पड़ता है। सड़कों पर दिनभर स्कूल बसें, एंबुलेंस तथा दमकल वाहनों का आवागमन रहता है। यातायात जाम की स्थिति होने की वजह से एंबुलेंस को रास्ता नहीं मिल पाता और मरीजों के जीवन को खतरा बना रहता है। कई बार दमकल वाहनों को भी सड़क खाली नहीं मिलती, कड़ी मश्कत करके जाम को पार करके घटना स्थल तक राहत पहुंच पाती है। लेट लतीफी के चलते ग्रामीणों को भारी जानमाल का नुकसान झेलना पड़ सकता है। शहर के प्रबुद्धजनों ने नपा प्रशासन को समस्या से अवगत कराया था। इसके बाद उन्होंने अतिक्रमण हटाओ अभियान भी चलाया था, लेकिन चंद घंटों बाद दुबारा पूरा फुटपाथ अतिक्रमण से भर जाता है।

नपा प्रशासन के आग्रह पर मदद करने को तैयार पुलिस

थाना इंचार्ज देवेंद्र सिंह ने बताया कि शहर में अतिक्रमण की समस्या बढ़ने से यातायात जाम की स्थिति बनी रहती है। अतिक्रमण हटवाने के लिए नपा प्रशासन की ओर से पुलिस सहयोग मांगा जाएगा, तो तुरंत उपलब्ध कराएंगे। इसके लिए नपा सचिव को पत्र लिखकर अवगत भी करवा दिया है। उन्होंने बताया कि जाम को बढ़ावा देने वाहनों के चालान काटे जाएंगे।

पीडब्ल्यूडी विभाग की जगह पर 50 लाख हर महीने किराया वसूली के आरोप

शहर के प्रबुद्धजनों की मानें तो निजामपुर, कोटपूतली, नारनौल रोड के दोनों तरफ 450 से अधिक रेहड़ी तथा खोमचे लगे हुए हैं। इन अस्थाई दुकानदारों को स्थाई दुकानदारों की मदद मिलती, जोकि इस मदद की एवज में 15 से 25 हजार रुपये प्रति महीने किराया वसूली करते हैं। जब प्रशासनिक कार्रवाई होती है, तो खोमचे वाले सामान को उठाकर पक्की दुकानों में रख लेते हैं। कार्रवाई पूरी होते ही तत्परता से दुबारा फुटपाथ को रोक लेते हैं। पीडब्ल्यूडी विभाग की जमीन पर अवैध करोबार लोगों के लिए जानलेवा साबित हो रहा है।

बुजुर्ग यात्रियों को सड़क पार करना हुआ मुश्किल, दुर्घटना बढ़ी

शहर वासियों ने बताया कि फुटपाथ पर अतिक्रमण होने से यात्रियों को सड़क पर सफर करना पड़ता है। इस दौरान बुजुर्गों को रोड पार करना मुश्किल हो गया, क्योंकि कमजोर शरीर व कम दिखाई देने की वजह से हादसे की संभावना बनी रहती है। इसके अलावा अतिक्रमण होने के कारण शहर की सफाई नहीं हो पाती। नालियों में कूड़ा करकट भरा होने की स्थिति में दुकानदारों को दुर्गंध व मच्छर काटने की समस्या झेलनी पड़ती है।

फुटपाथ को जल्द कराएंगे अतिक्रमण से मुक्त: नपा के सचिव सौरभ जैन ने बताया कि सड़कों के दोनों तरफ फुटपाथ में अतिक्रमण की समस्या संज्ञान में है। बीते दिनों अतिक्रमण हटाया भी गया था, लेकिन दुबारा से स्थिति खराब बनी हुई है। नपा प्रशासन की ओर से जल्द ही अतिक्रमण हटाने, चालान काटने तथा पुलिस केस दर्ज कराने का अभियान चलाया जाएगा। शहर में सफाई के लिए वार्ड वाइज कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं।

खबर संक्षेप

गुरु गोरखनाथ का सातवां भंडारा एवं जागरण आज

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव चंदपुरा में गुरु गोरखनाथ का सातवां विशाल भंडारा एवं जागरण 10 फरवरी को आयोजित किया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि सुबह साढ़े 8 बजे हवन व 10 बजे से भंडारा शुरू होगा। भजनों के कार्यक्रम निरंतर चलते रहेंगे। रामधन गोस्वामी एंड पार्टी बाबा के भजनों का गुणगान करेगी।

भगवान विश्वकर्मा जयंती आज

नांगल चौधरी। जांगिड़ धर्मशाला में विश्वकर्मा सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्था के तत्वावधान में भगवान विश्वकर्मा जयंती समारोह आयोजित होगा। जिसमें सामाजिक कुरीतियों को मिटाने पर विचार विमर्श किया जाएगा। इस दौरान नशाखोरी पर अंकुश लगाने के लिए गांव वाइज युवाओं की टीम सक्रिय की जाएगी। संस्था के सचिव महावीर प्रसाद ने बताया कि सोमवार की सुबह 9:15 बजे हवन कार्यक्रम होगा। इसके बाद गायक कलाकारों की ओर से भजनोपदेश प्रस्तुत किए जाएंगे। दोपहर 12:15 बजे से प्रसाद वितरण करने का शेड्यूल बनाया गया है।

पीएमश्री विद्यालय के छात्र रिले रेस में प्रथम

नारनौल। जिला खेल स्टेडियम में आयोजित जिला स्तरीय पीएमश्री स्कूल प्रतियोगिता में पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगल दर्गू के छात्रों का प्रदर्शन शानदार रहा। स्कूल पहुंचने पर विद्यालय परिवार ने खिलाड़ियों को आशीर्वाद दिया। कैलाश यादव प्राचार्या ने खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत का परिणाम बताया व कहा कि मेहनत करने वालों की कभी हार नहीं होती है। नौ व 12 आयु वर्ग की रिले रेस में चंद्रभान, कृष्ण, जयवीर सिंह, अजय ने जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। प्राचार्या ने खेल प्रभारी राजबीर सिंह डीपीई व प्रवेश यादव स्पोर्ट्स शिक्षक को बधाई दी। इस मौके पर आरएस भोपा, चरण सिंह, धीरज, राजेंद्र, कृष्ण कुमार, सतपाल, महेन्द्र, दर्शन सैन आदि मौजूद थे।

आकर्षक पार्क में नजर आएगी चितवन वाटिका, हरीभरी घास एवं फूलों से सजी होगी वाटिका

अग्रसेन चितवन वाटिका को सजाने-संवारने में जुटी नप, 100 फुट का तिरंगा होगा विशेष आकर्षण

राजकुमार ⏭ नारनौल

नगर परिषद आजकल शहर के पार्कों को विकसित करने में जुटी हुई है। इसी कड़ी में चितवन वाटिका के दिन भी बहुरने वाले हैं। नप की योजना के मुताबिक यहां न केवल हरीभरी घास एवं फूल सजे होंगे, बल्कि सैलानियों के बैठने के लिए हट भी बनी होगी। रात के अंधियारे में चितवन वाटिका दूधिया रोशनी से जगमग रहेगी।

पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के सामने पुराने समय से एक पार्क बना हुआ था। यह पार्क नगर परिषद कार्यालय से महज 100 मीटर दूरी पर बना है, लेकिन इस पार्क की नगर परिषद लंबे समय से अनदेखी करती आ रही थी, जिस कारण इस चितवन वाटिका से पार्कों का जहां नामोनिशान ही मिट गया, वहीं इस पार्क से हरियाली घास एवं फूल पौधे भी खत्म हो गए तथा इसे मनमाने ढंग से वाहन पार्किंग के रूप में इस्तेमाल किया जाने लगा। कमाल की बात है कि नगर परिषद ने भी इस पार्क को पिछले कार्यकाल में उजाड़ने में बढ़ावा दिया और इस चितवन वाटिका में सब्जी की रेहड़ियां लगवा दी। जिस कारण शहर के सबसे प्राचीन इस पार्क में लोगों खासकर सैलानियों का आना जाना ही बंद हो गया तथा आमलोगों के साथ-साथ छात्र-छात्राओं को भी शहर में अच्छे पार्क की कमी अखरने लगी।

नारनौल। चितवन वाटिका में लगाने के लिए रखी हट्स व पार्क में तैयार की जा रही चारदीवारी। फोटो : हरिभूमि

पहले खड्डे में था पार्क

सन 1990 में यह पार्क सड़क से काफी नीचे करीब 8-10 की गहराई में था। मोहिनी सिनेमा से पार्क रोड तक सीधे यह पार्क ही था तथा इसमें कहीं भी दुकानें नहीं बनी हुई थी। बाद में सन 1992-93 में तत्कालीन उपायुक्त राजरूप फूलिया ने जल महल को विकसित करना चाहा। उनकी चाहत एवं कोशिशों के चलते जल महल की खुदाई शुरू की गई और वहां की मिट्टी उठाकर इस पार्क में डालकर इसे भर दिया गया। इससे जल महल की मिट्टी भी साफ हो गई और चितवन वाटिका भी सड़क के लेवल में आ गई। ऐसा होने उपरांत इसे पुनः पार्क का स्वरूप दिया गया और इसमें फुटपाथ से लेकर फूल-पौधे तक विकसित किए गए।

नारनौल। 100 फुट ऊंचा तिरंगा लहराने के लिए लगाया गया पोल। फोटो : हरिभूमि

यह कहते हैं अधिकारी

नगर परिषद के कार्यकारी अभियंता सुंदर सिंह श्योराण ने बताया कि चितवन वाटिका में पार्क विकसित किया जाएगा। इस कार्ययोजना का टेंडर छोड़ने उपरांत ठेका एजेंसी ने काम शुरू कर दिया है। जब यह पूर्ण रूप से बनकर तैयार हो जाएगा, तब यह नए आकर्षक लुक में नजर आएगी और शहरवासियों को इससे फायदा मिलेगा।

यह बनेगा पार्क में

अग्रसेन चितवन वाटिका में चारों तरफ बाउंड्री तैयार करवाई जाएगी। पार्क में पेड़ पौधे, 40 लाइट और डस्टबिन रखे जाएंगे। वहीं पार्क की सुंदरता बढ़ाने के लिए दो गजिपो (झोपड़ीनुमा-हट) बनाई जाएंगी, जिसमें पार्क में घूमने आने वाले लोग बैठ कर आराम कर सकेंगे। इसके अलावा बारिश से बचने के लिए बैठने की व्यवस्था रहेगी। चितवन वाटिका में 100 फीट ऊंचा तिरंगा लगाया जाएगा, जिससे पार्क की सुंदरता को चार चांद लगेंगे। शहर में इतनी ऊंचाई पर कहीं पर भी तिरंगा नहीं लगा है। नगर परिषद की तरफ से इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। शहरवासियों को पार्क में घूमने के साथ-साथ ओपन जिम की भी सुविधा मिलेगी। जहां अब युवा रुपये देकर निजी जिमों में व्यायाम कर रहे हैं, वहीं इस पार्क में भी युवाओं को निःशुल्क सुविधा मिलेगी।

पार्क का इतिहास

19 जुलाई, 1998 में जब नगर पालिका नारनौल के चेयरमैन किशन चौधरी थे, तब उन्होंने पार्क की सुध ली और इसके मुख्य गेट समेत इसका नवीनीकरण कराया। तब इसका नामकरण भी किया गया और इसे अग्रसेन चितवन वाटिका नाम दिया गया। गत 5 अक्तूबर, 2013 को पार्क के अंदर महाराज अग्रसेन की मूर्ति भी पार्क के बीच लगाई गई और कई वर्षों तक इसका पार्क के रूप में अस्तित्व बना रहा, लेकिन धीरे-धीरे नप इसकी उपेक्षा करने लगी और इसका पार्क के रूप में अस्तित्व ही मिट गया। बाद में नगर परिषद की चेयरपर्सन जब भारती सैनी थी, तब इस पार्क की जगह शॉपिंग कांपलेक्स बनाकर इसका कमर्शियल यूज करने की योजना बनाई गई, लेकिन सरकार ने इसका बजट मंजूर नहीं किया, जिस कारण शॉपिंग कांपलेक्स की योजना सिरे नहीं चढ़ पाई। जब शहर की सरकार बदली और कमलेश सैनी नई चेयरपर्सन बनी, तब अग्रवाल समाज के नगर पार्षदों एडवोकेट नितिन चौधरी, नगर पार्षद संदीप जैन, नगर पार्षद अजय सिंघल समेत कई पार्षदों ने शापिंग कांपलेक्स का विरोध करते हुए इसको पार्क के रूप में ही विकसित करने के नए प्रस्ताव नगर परिषद की आम बैठकों में डलवाए और नप अधिकारियों से इसकी योजना तैयार करवा इसका एस्टीमेट भी बनवाया, जो सरकार ने मंजूर कर दिया। जिस पर अब इसे पुनः पार्क के रूप में विकसित किया जा रहा है।

महेंद्रगढ़। मंदिर में बैठक करते समाज के लोग। फोटो : हरिभूमि

चेतन यादव बने माता मसानी मंदिर के प्रधान

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

माता मसानी मंदिर में रविवार को एक आम सभा आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता महेंद्र सिंह नरवरिया ने की। मंदिर परिसर में वर्तमान में प्रधान उमेद यादव ने अपना लेखा-जोखा बैठक में रखा और उनके बारे में विस्तारपूर्वक लोगों को बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महेंद्र सिंह नरवरिया ने वर्तमान में प्रधान उमेश यादव व उनकी कार्यकारिणी का इस्तीफा मंजूर किया और नया प्रधान चुनने के लिए लोगों से विचार-विमर्श किया। समाज के लोगों ने सर्वसम्मति से चेतन यादव उर्फ चर्चित यादव को माता मसानी मंदिर का प्रधान बनाया गया और उपप्रधान राकेश व धर्मेंद्र को बनाया गया। इस दौरान फुमन यादव, कैप्टन हुकम सिंह यादव, रामजीलाल यादव, धीरज यादव, सोहन टैनी, विक्रम यादव, दिनेश कुमार, चिन्नाराम, नवल राव, हंसराज, अजय कुमार, नरेश कुमार, बजरंग शर्मा आदि लोग उपस्थित थे। इस अवसर पर प्रधान चर्चित यादव ने कहा कि प्रधान के रूप में जो मुझे जिम्मेवारी मिली है, उसका वह ईमानदारी से पालन करेंगे। मंदिर परिसर को एक अच्छा व स्वच्छ बनाने में अहम भूमिका निभाएंगे और विकास कार्य पर पूरा फोकस होगा और जल्द ही अपनी नई कार्यकारिणी घोषित कर सकूंगा।

महेंद्रगढ़। वन विभाग की गाड़ी पर हमला करती जेसीबी मशीन। फोटो : हरिभूमि

वन विभाग की टीम पर खनन माफियाओं ने किया हमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

जिले में सरकारी विभागों की टीमों पर लगातार हो रहे हमलों की कड़ी में एक और घटना जुड़ गई। रविवार सुबह वन विभाग की टीम जब गांव सोहला की पहाड़ियों में अवैध रूप से हरे पेड़ों की कटाई और खनन का निरीक्षण करने पहुंची तो उस पर हमला कर दिया गया। आरोपितों ने जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से घेरकर टीम पर हमला बोला और उनकी गाड़ी को बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। गनीमत रही कि वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों ने समय रहते गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचाई।

वन मंडल अधिकारी चंद्रगुप्त ने बताया कि वन विभाग की टीम रविवार सुबह गांव सोहला की पहाड़ियों में अवैध कटाई की जांच करने पहुंची थी। वहां टीम ने पाया कि कुछ लोग अवैध खनन और हरे पेड़ों की कटाई कर रहे थे। टीम को देखते ही जेसीबी और ट्रैक्टर चालकों ने सरकारी गाड़ी को चारों ओर से घेर लिया और हमला कर दिया। जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की मदद से वन विभाग की सरकारी गाड़ी को भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। वन विभाग की टीम ने तुरंत एक पुलिस की डायल-112 को सूचना दी। हालांकि, पुलिस के मौके पर पहुंचने से पहले ही हमलावर जेसीबी और ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर फरार हो गए। वन विभाग ने इस घटना की शिकायत सतनाली थाना प्रभारी को दी है, जिसके आधार पर आरोपितों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। गौरतलब है कि जिले में सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों पर हमले बढ़ते जा रहे हैं। इससे पहले बिजली निगम की टीम पर नारनौल की भूप कॉलोनी और कनीना में भी हमले हो चुके हैं। सतनाली पुलिस ने वन विभाग के अधिकारी की शिकायत पर जांच शुरू कर दी है।

कदकाठी का ही अच्छा-खासा नहीं था, पढ़ाई में भी था बहुत होशियार, एनडीए की परीक्षा भी कर ली थी पास

शारीरिक कसरत करने घर से निकले छात्र का शव तीन दिन बाद कुएं से बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

गत 6 फरवरी को सवेरे करीब साढ़े चार बजे शारीरिक कसरत करने घर से निकले 12वीं कक्षा के छात्र गांव नांगल श्यालू निवासी करीब 17 वर्षीय मलय सिंह का शव संदिग्ध परिस्थितियों में गांव के ही एक कुए से बरामद हुआ है। यह कुआ गांव से कुछ ताजीपुर की ढाणी की पहाड़ी के साथ खेतों में बना हुआ है। निजामपुर पुलिस ने शनिवार देर सायं शव का पोस्टमार्टम करा उसे परिजनों को सौंप दिया।

जानकारी के अनुसार गांव नांगल श्यालू निवासी छात्र मलय सिंह आरपीएस स्कूल में 12वीं कक्षा की पढ़ाई कर रहा था। उसके पिता आईटीबीपी में सब इंस्पेक्टर पद पर कार्यरत हैं, जबकि मां गृहिणी महिला है। मलय सिंह की लंबाई लगभग 6 फुट थी और उसकी कद-काठी अच्छी खासी थी। इसी कारण परिवार वाले उसे कसरत करने की कहते थे, ताकि नौकरी में भर्ती होने में उसको फिजिकली कोई दिक्कत नहीं आए। परिजनों के कहने पर वह रोजाना सवेरे जल्दी जागता था और खुद अकेले ही अपने खेतों की तरफ घूमने-फिरने एवं शारीरिक कसरत करने जाता था। गत 6 फरवरी को भी रोजाना की भांति अपने खेतों की तरफ गया था, लेकिन उसके बाद वापस नहीं लौटा।

मलय सिंह

इस पर परिजनों को उसकी चिंता भी हुई तथा आसपास तलाश भी किया, लेकिन वह नहीं लौटा तो उनके हाथ-पांव फूलने लगने और घबराहट होने लगी। इसी के चलते दादा हवासिंह ने शाम को निजामपुर थाने में उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज करवाई, लेकिन वह रात को भी नहीं मिला और न ही कहीं से कोई सूचना मिली। इससे वह भारी परेशान हो गए। अब जब 8 फरवरी को गांव का ही एक किसान अपने कुए पर गया तो उसे वहां पर कुछ बदबू महसूस हुई। शक होने पर उसने कुए में झांक कर देखा तो उसे पानी में तैरता हुआ शव दिखाई दिया। इस पर गांव के सरपंच को सूचना दी गई। सूचना ने इससे निजामपुर थाना पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलने पर निजामपुर के थाना प्रभारी गोविंद टीम सहित कुए पर पहुंचे और ग्रामीणों एवं चारपाई की मदद से शव को कुए से बाहर निकाला, जिस पर परिजनों ने मलय सिंह की पहचान की। पहचान के तौर पर पुष्टि होने पर पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज किए तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल नारनौल पहुंचाया, जहां शाम को चिकित्सकों ने शव का पोस्टमार्टम करा पुलिस ने शव परिजनों के हवाले कर दिया। परिजनों ने शव गांव ले जाकर गमगीन माहौल में शमशान ले जाकर उसका अंतिम संस्कार कर दिया।

एनडीए की परीक्षा कर ली भी पास

अंकल महेंद्र सिंह ने बताया कि मलय सिंह कदकाठी का ही अच्छा-खासा नहीं था, वह पढ़ाई में भी बहुत होशियार था। पिछले साल उसने एनडीए की परीक्षा भी पास कर ली थी, लेकिन अंडर ऐज होने के कारण उसको फिजिकल में हिस्सा नहीं लेने दिया गया। अब उसने जेईई मेन का एग्जाम दे रखा है और उसमें भी बेहतरीन परिणाम आने की संभावना है। मलय सिंह का एक छोटा भाई भी है, जो पढ़ाई कर रहा है। परिजनों को समझ नहीं आ रहा कि मलय कैसे कुए में गिरा और उसके जुदा होने का गम सता रहा है।

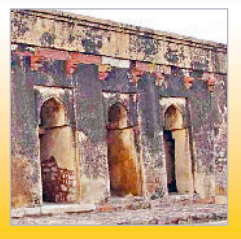

गुजरी महल

हरियाणा में कई प्रसिद्ध ऐतिहासिक जगहें मौजूद हैं। हरियाणा की ऐतिहासिक जगहें सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि विश्व भर में फेमस है। हिसार में मौजूद गुजरी महल एक प्राचीन और प्रमुख ऐतिहासिक जगह है। इस महल का निर्माण फिरोजशाह तुगलक ने करवाया था। बता दें कि ताजमहल की तरह ही ये भी प्रेम की निशानी है। दरअसल, फिरोजशाह तुगलक ने अपनी प्रेमिका गुजरी के लिए इस महल का निर्माण करवाया था। इस महल के अंदर दीवान-ए-आम और बरदारी भवन भी प्रसिद्ध हैं।

अंग्रेजों ने हरियाणा क्षेत्र के सहारे किया था शासन

इतिहास

यशपाल गुलिया

अंग्रेजों ने दिल्ली सिंहासन पर अधिकार जमाने के लिए हरियाणा को सहायक बनाने की रणनीति को कारगर बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। हरियाणा के उत्तरी और दक्षिणी के इलाकों को अलग-अलग रियासतें और जागीरें बनाकर दिल्ली के तीन तरफ छावनियां गठित करके अंग्रेजों ने शासन किया। हरियाणा में 'बांटो और राज करो' की नीति के तहत प्रलोभन देकर हरियाणा को सहायक बनाकर अपने शासन को सशक्त बनाया। वहीं भारतीय शासक महाराजा रणजीत के निधन के बाद उन्होंने लाहौर से अफगानिस्तान तक आक्रमण किये। हरियाणा में आज भी अंग्रेजों की गठित छावनियों और और जागीरों के प्रमाण देखे जा सकते हैं। दिल्ली में अंग्रेजी शासन को सशक्त बनाने के लिए हरियाणा को सहायक बनाने की रणनीति के तहत 1803 में जब अंग्रेज अत्याधिक सुनियोजित ढंग से आगे बढ़ते हुए दिल्ली तक पहुंचे तो तत्कालीन परिस्थितियों का सूक्ष्मता से आकलन करते हुए सितम्बर 1803 में दिल्ली पर धावा बोल दिया। तब दिल्ली में नाममात्र बादशाह शाह आलम न केवल अन्धा था, बल्कि मराठा नेता सिन्धिया के संरक्षण में विराजमान था और मराठों का सेनापति जनरल पैरों (फ्रान्सिसि) अंग्रेजों से मिल चुका था। इसलिए अंग्रेजों ने उपलब्ध मराठा सेना से एक दिन का औपचारिक युद्ध करके दिल्ली सिंहासन पर अधिकार किया था। उसके बाद उन्होंने दिल्ली पर अपने शासन को स्थायित्व कायम रखने के लिए नई सैन्य व्यवस्था स्थापित की।

इसके लिए दिल्ली के तीन तरफ स्थित हरियाणा क्षेत्र में नई छावनियां गठित करनी पड़ी। दरअसल, वर्ष 1803 के आस पास वर्तमान हरियाणा क्षेत्र के उत्तर में जीन्द, कैथल, नारायणगढ़, कुन्जपुरा, अम्बाला, पटियाला, लाडवा, रादौर आदि विभिन्न छोटे-छोटे रजवाड़े बने हुए थे। जबकि हरियाणा के दक्षिण पश्चिम में बल्लभगढ़, फरुखनगर, बहादुरगढ़ एवं साथ लगते राजपुताना राज्य थे। इसलिए वे सभी अपने-अपने सैन्य सामर्थ्य अनुसार इकट्ठे होकर दिल्ली स्थित अंग्रेजों के लिए खतरा उत्पन्न कर सकते थे। ऐसी परिस्थितियों में अंग्रेजों ने 'बांटो व राज करो' की नीति के अतिरिक्त प्रलोभन देकर अपने सहायक बनाने की नई रणनीति निर्धारित की थी। नई छावनी बनाने की नीति के अनुसार अंग्रेजों ने सर्वप्रथम 1805 में करनाल को सैन्य ठिकाना बनाया ताकि इससे उत्तर हरियाणा स्थित छोटे-छोटे शासकों पर तो नियन्त्रण रहेगा ही, बल्कि पंजाब की तरफ आगे बढ़ने में भी करनाल छावनी सहायक सिद्ध होगा। इसी प्रकार दक्षिण हरियाणा व राजपुताना राज्यों पर नियन्त्रण रखने के लिए अंग्रेजों ने 1808 के आसपास भाड़ावास में नई छावनी बना ली। भाड़ावास, रेवाड़ी के पास एक गांव है जहां अंग्रेजों के बारुदखानों आदि के खंडहर आज भी देखे जा सकते हैं। यद्यपि 1819 में उन्होंने भाड़ावास छावनी को गुड़गांव मे शिफ्ट कर लिया था, जिसको हिदायतपुर छावनी का नाम दिया गया था।

भाड़ावास छावनी में मौजूद खंडहर अवस्था में बारुद खाना के अवशेष।

अंग्रेजों ने वर्तमान हरियाणा का सम्पूर्ण क्षेत्र अपने सहायकों में बांटकर नई नवाबी तथा जागीरें स्थापित कर डाली। 1804 से झज्जर को रियासत बनाकर निजाबत अली खां को प्रथम नवाब बना दिया। ऐसे ही पटौदी को फैज तलब खां, मेवात व लोहारू को अहमद बक्स खां, दुजाना को अब्दुस समद खां को सौंप दिया।

हरियाणा में बनाई कई रियासतें

अंग्रेजों ने इन सैन्य तैयारी के साथ-साथ दूसरा महत्त्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक कदम नई रियासतें बनाने का उठाया था। उन्होंने वर्तमान हरियाणा का सम्पूर्ण क्षेत्र अपने सहायकों में बांटकर नई नवाबी तथा नई जागीरें स्थापित कर डाली। जैसे 1804 से झज्जर को रियासत बनाकर निजाबत अली खां को प्रथम नवाब बना दिया। ऐसे ही पटौदी को फैज तलब खां, मेवात व लोहारू को अहमद बक्स खां, दुजाना को अब्दुस समद खां को सौंप दिया और उनके सामने दो शर्त थौंप दी गई। इनमें प्रथम तो बाह्य आक्रमण से ये नवाब अपनी सुरक्षा स्वयं करेंगे तथा दूसरी शर्त आवश्यकता पड़ने पर अंग्रेजों को 200-200 घुड़सवार सैनिक उपलब्ध करवाने होंगे। इस प्रकार अंग्रेजों के दिल्ली पर अधिकार करने व अलग प्रकार की शासन व्यवस्था से हरियाणा में पहले से स्थापित छोटे शासक भयभीत हो गए थे। जैसे फरुखनगर, बल्लभगढ़, जीन्द व अन्य सिख शासकों ने अंग्रेजों के सामने नतमस्तक होकर न केवल उनकी प्रभुसत्ता स्वीकार की, बल्कि महाराजा रणजीत से खतरे को देखते हुए अपनी सुरक्षा की गुहार तक लगा डाली। इस प्रकार अंग्रेजों को दिल्ली में अपना शासन सुदृढ़तापूर्वक कायम करने में कोई कठिनाई नहीं हुई। मेवात क्षेत्र के उत्पाती व लुटेरों पर नियन्त्रण करने के लिए विलियम फ्रेंजर को एक नया सैन्य दल गठित करने के आदेश दिए गए। फ्रेंजर ने फिरोजपुर झिरका में उसी एक किलानुमा अहाता बनाकर अपना नया घुड़सवार दल बना लिया।

अंग्रेजों ने 'बांटो व राज करो' और अतिरिक्त प्रलोभन देकर अपने सहायक बनाने की नई रणनीति निर्धारित की थी। नई छावनी बनाने की नीति के अनुसार सर्वप्रथम 1805 में करनाल को सैन्य ठिकाना बनाया ताकि इससे उत्तर हरियाणा स्थित छोटे-छोटे शासकों पर तो नियन्त्रण रहेगा ही, बल्कि पंजाब की तरफ आगे बढ़ने में भी मदद होगी। इसी प्रकार, दक्षिण हरियाणा व राजपुताना राज्यों पर नियन्त्रण रखने के लिए अंग्रेजों ने 1808 के आसपास भाड़ावास में नई छावनी बना ली

रियासतें जब्त कर शासक बने अंग्रेज

सविलियम फ्रेजर का 1835 में फिरोजपुर झिरका के नवाब ने कत्ल करवा दिया। तब तक अंग्रेज अत्यन्त शक्तिशाली शासक बन चुके थे। वे अव्यवस्था का आरोप लगाकर रियासतें व जागीरें जब्त करने लग गए थे। अंग्रेजों को तब एकमात्र शक्तिशाली भारतीय शासक महाराजा रणजीत से भय बना रहता था। यद्यपि 1809 से महाराजा के साथ उन्होंने सन्धि कर रखी थी। लेकिन 1839 में महाराजा रणजीत सिंह की मृत्यु हो जाने पर अंग्रेजों ने लाहौर पर आक्रमण करने की तैयारी आरम्भ कर दी। तब सर्वप्रथम उन्होंने करनाल से कैन्ट को अम्बाला में शिफ्ट किया था, जो आज तक विराजमान है। वर्ष 1820 से 1840 तक अंग्रेजों ने वर्तमान हरियाणा क्षेत्र में नए जिले भी गठित कर दिए थे। इससे उनको भूमिकर व लगान प्राप्त करने में सुगमता हो गई थी। इसी प्रकार अंग्रेजों को लाहौर व अफगानिस्तान तक अपना साम्राज्य स्थापित करने में हरियाणा क्षेत्र से उनको अत्यन्त सहायता प्राप्त हुई थी। 1857 का स्वतन्त्रता संग्राम दबाने में भी अंग्रेजों को अम्बाला छावनी सहायक सिद्ध हुई थी। उन्होंने सिरख शासकों की सहायता से अम्बाला में एक बड़ी सेना इकट्ठी करके करनाल व पानीपत के रास्ते दिल्ली की रिज पर पड़ाव लगा लिया था और चार मास तक सेनानियों से युद्ध करके सितम्बर 1857 में दिल्ली पर दोबारा कब्जा कर लिया था।

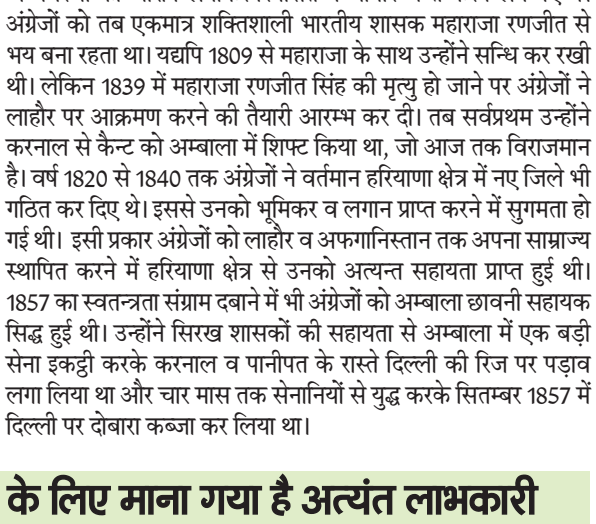

करनाल कैंट का चर्च टॉवर जोकि 1830 के आसपास अंग्रेजों द्वारा बनाया गया था।

काव्य संग्रह 'अस्मिता' के अनुवाद से पवन गहलोत ने बनाई पहचान

आजकल प्रसिद्ध साहित्यिक कृतियों का क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद होने लगा है। इसी कड़ी में रोहतक के उभरते लेखक और अनुवादक पवन गहलोत ने हरियाणा साहित्य अकादमी की पूर्व अध्यक्ष डॉ. मुक्ता की पुस्तक 'अस्मिता' का हरियाणवी में अनुवाद करके इस क्षेत्र में अपने शहर का नाम दिल्ली में आयोजित होने वाले विश्व पुस्तक मेले तक पहुंचाया है। इस काव्य संग्रह की अधिकतर कविताएं नारी सशक्तिकरण का संदेश देती हैं। इसकी कुछ कविताओं में पौराणिक संदर्भों का भी जिक्र है जिनकी अनुवाद आमतौर पर जटिल समझा जाता है। दिल्ली में आयोजित विश्व पुस्तक मेले में यूनिक फील प्रकाशन के प्रधान संपादक प्रशांत श्रीवास्तव के साथ इस काव्य संग्रह और अनुवाद के बारे में चर्चा के दौरान पवन गहलोत ने बताया कि अनुवाद के द्वारा किसी भी साहित्यिक कृति के पाठकों का दायरा बढ़ता है। आने वाले समय में अनुवाद के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। वे कहते हैं कि अनुवादक का कार्य चुनौती भरा होता है लेकिन एक समर्पित अनुवादक सतत परिश्रम और धैर्य का परिचय देते हुए किसी एक भाषा के साहित्य को दूसरी भाषा के पाठकों के लिए सुलभ करवाता हैं।

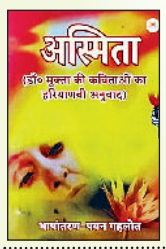

कविता

कुमार

मां-बाप का प्यार

माँ-बाप का प्यार सच्चा होवे,
जग में इन जैसा ना कोई होवे।
माँ के आँचल तले सुख ही सुख,
पिता की छाया ज्यों पेड़ की छुक।

माँ के हाथ की रोटी मिट्ठी,
पिता की मेहनत हर दिन सच्ची।
माँ की गोदी जन्नत लागे,
पिता बिना दिल वीरान भागे।

माँ के आँसू मोती जैसे,
पिता के सपने सोने जैसे।
माँ के आँचल की ठंडक न्यारी,
पिता की सीख बिना जीवन भारी।

माँ हर दुख को खुद सह ले,
पिता छाया बनकर रह ले।
माँ की दुआएं साथ निभावे,
पिता की मेहनत रंग दिखावे।

माँ-बाप रोवें तो दिल दुखे,
बिन इनके जीवन अधूरे लगे।
इनकी सेवा जो भी जन करे,
उसका घर भी स्वर्ग बने।

जो माँ-बाप की कदर न जाने,
वो जीवन भर पछतावे।
इनकी दुआ से ही सुख आए,
हर मुश्किल राह आसान हो जाए।

यो जन्म पहला हो या आखरी,
कुमार ने दुआ बस एक करी,
चाहे भगवान जिंदगी दिए दो पल की,
मात-पिता ने खुशियाँ दिए जीवन भर की।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

दृष्टिकोण

विज्ञान और आयुर्वेद दोनों में ही धोती पहनने को स्वास्थ्य और शरीर की ऊर्जा संतुलन के लिए माना गया है अत्यंत लाभकारी

परंपरा ही नहीं, स्वास्थ्यवर्धक भी है धोती पहनना

परिधान

डॉ. आशा कुमारी

जब मैं 'जेंटलमैन' शब्द कहती हूँ, तो आपके दिमाग में कौन-सी छवि उभरती है? लगभग सभी लोगों के लिए यह एक स्मार्ट, आधुनिक व्यक्ति होगा, जो थ्री-पीस सूट और टाई पहने हुए होगा। यदि हम 'जेंटल' शब्द का अनुवाद देखें, तो इसका अर्थ 'कोमल' होता है। फिर हमने इस शब्द को केवल एक पश्चिमी पोशाक से क्यों जोड़ दिया, जबकी यह वास्तव में एक व्यक्तित्व गुण को दर्शाता है? तकनीकी रूप से, 'जेंटलमैन' शब्द को हर सभ्यता में अलग-अलग परिधानों में प्रस्तुत किया जा सकता है। तो कभी-कभी मैं सोचती हूँ कि बच्चों की किताबों में एक पगड़ी, कुर्ता और धोती पहने व्यक्ति को 'जेंटलमैन' के रूप में क्यों नहीं दर्शाया जाता?

मैं इस लेख के माध्यम से धोती पहनने के वैज्ञानिक लाभों पर प्रकाश डालना चाहती हूं। हालांकि भारत के कुछ हिस्सों में इसे आज भी रोजमर्रा की जिंदगी में पहना जाता है, लेकिन हरियाणा में यह सिर्फ़ पुरानी पीढ़ी की एक बीती कहानी बनकर रह गई है। गाने और फ़िल्में भी इस परंपरा को दोबारा जीवंत नहीं कर पा रहे हैं। भारत में धोती सांस्कृतिक धरोहर नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक रूप से संतुलित पोशाक भी है, जो शरीर को प्राकृतिक रूप से स्वस्थ रखने में मदद करती है। यह हजारों वर्षों से भारतीय पुरुषों द्वारा पहनी जाती रही है, चाहे वह संत-महात्मा हों, विद्वान हों या फिर किसान।

विज्ञान और आयुर्वेद दोनों ही धोती पहनने को स्वास्थ्य और शरीर की ऊर्जा संतुलन के लिए लाभकारी मानते हैं। आधुनिक पैंट या जींस टाइट फिटिंग के कारण शरीर के निचले हिस्से में रक्त संचार को बाधित कर सकती हैं। लेकिन धोती ढीली होती है और शरीर को पूरा आराम देती है, जिससे रक्त का प्रवाह सुचारू रूप से चलता रहता है। यह विशेष रूप से उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जो लंबे समय तक बैठकर काम करते हैं या ज्यादा चलने-फिरने वाले कार्यों में

लगे होते हैं। धोती प्राकृतिक रूप से शरीर को ठंडा रखती है। भारत जैसे गर्म और आर्द्र जलवायु वाले देश में यह शरीर के तापमान को नियंत्रित करने में सहायक होती है। वैज्ञानिक दृष्टि से देखा जाए तो पुरुषों के लिए अधिक टाइट कपड़े पहनना उनके प्रजनन स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। टाइट पैंट या अंडरगारमेंट्स अंडकोष के तापमान को बढ़ा सकते हैं, जिससे शुक्राणु उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। धोती पहनने से यह समस्या नहीं होती, क्योंकि यह शरीर के निचले हिस्से को खुला और हवादार बनाए रखती है, जिससे प्रजनन स्वास्थ्य बेहतर बना रहता है। यह पसीने को जल्दी सोख लेती है और त्वचा संक्रमण से बचाव करती है। धोती पहनने से रैशेज और फंगल इंफेक्शन जैसी समस्याएं भी कम होती हैं। एक नए सर्वेक्षण के अनुसार, जिसमें 2,000 ब्रिटिश पुरुषों को शामिल किया गया, टाइट फिटिंग जींस पहनने से मूत्र संक्रमण (यूटीआई), वैरिकोसील, अंडकोष के मुड़ने, मूत्राशय की कमजोरी और दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। 2013 की एक समीक्षा के अनुसार, टाइट कपड़े पहनने से मेरालिजया पैरास्टेटिका नामक रीढ़ की हड्डी की एक नस दबने की समस्या हो सकती है। यह स्थिति जांघ के किनारे सुन्नपन, झनझनाहट और दर्द का कारण बन सकती है। भारत जैसे गर्म और आर्द्र जलवायु वाले देश में सूती वस्त्र सबसे अधिक आरामदायक और त्वचा के लिए अनुकूल माने जाते हैं। सूती कपड़ा नरम और हल्का होता है, जो त्वचा के लिए आरामदायक रहता है। यह किसी भी प्रकार की जलन, खुजली या एलर्जी नहीं पैदा करता, इसलिए संवेदनशील त्वचा वाले लोगों के लिए सबसे अच्छा विकल्प है। सूती कपड़ा गर्मी के मौसम में शरीर को ठंडा रखने में मदद करता है। यह हवा को पास होने देता है, जिससे त्वचा को ताजगी महसूस होती है और पसीना जल्दी सूख जाता है।कृत्रिम कपड़ों की तुलना में सूती कपड़ा बैक्टीरिया और फंगल संक्रमण से बचाव करता है। यह हानिकारक केमिकल्स से मुक्त होता है, जिससे त्वचा की सुरक्षा बनी रहती है। सूती कपड़ा प्राकृतिक रूप से उपलब्ध होता है और पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाता। यह बायोडिग्रेडेबल होता है और प्लास्टिक या सिंथेटिक कपड़ों की तरह प्रदूषण नहीं फैलाता।

आजकल फैशन और कम लागत के कारण सिंथेटिक (कृत्रिम) कपड़े और रासायनिक रंगों का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। हालांकि, ये कपड़े और रंग हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। सिंथेटिक कपड़े मुख्य रूप से नायलॉन, पॉलिएस्टर, रेयान और ऐक्रेलिक जैसे कृत्रिम रसायनों से बनाए जाते हैं, जो त्वचा और शरीर पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। इसके अलावा, कपड़ों में इस्तेमाल होने वाले रासायनिक रंग (डाई) भी कई गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं जैसे एलर्जी और खुजली, एक्जिमा और संपर्क डर्मेटाइटिस, फंगल संक्रमण, अस्थमा, हार्मोन असंतुलन और कैंसर आदि। धोती शरीर को मुक्त रखती है और नसों तथा मांसपेशियों को प्राकृतिक रूप से आराम देती है।

धोती के कुछ और फायदे भी हैं, जैसे इसे सीलने की कोई जरूरत नहीं होती क्योंकि आप इसे खुद लपेटते हैं। यह पूरी तरह से व्यक्तिगत (सुपरपर्सनलाइज्ड) होती है। भरपेट भोजन के बाद कमर कसने की चिंता करने की भी जरूरत नहीं पड़ती। आज के दौर में लोग धोती को पुरानी सोच से जोड़कर देखते हैं, लेकिन इसके वैज्ञानिक लाभों को समझने के बाद इसे फिर से अपनाने की जरूरत है। आधुनिकता की दौड़ में हमें अपनी पुरानी परंपराओं को पूरी तरह से छोड़ना नहीं चाहिए, बल्कि उनके वैज्ञानिक पहलुओं को समझकर उन्हें फिर से अपनाने का प्रयास करना चाहिए। धोती पहनना सिर्फ एक सांस्कृतिक परंपरा नहीं, बल्कि विज्ञान-सम्मत, स्वास्थ्यवर्धक और सुविधाजनक विकल्प भी है।

सिनेमा को दर्शकों और सरकार का चाहिए सहयोग : संगीता

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

हरियाणवी सिनेमा में संगीता देवी किसी परिचय की मोहताज नहीं है। अपनी ग़ज़ब की अदाकारी से हरियाणवी सिनेमा में छा जाने वाली यह अभिनेत्री अब तक की 54 फिल्मों और वेबसीरीज़ के साथ-साथ 7 बॉलीवुड और एक पंजाबी फिल्म कर चुकी हैं। बॉलीवुड फिल्म 'हरियाणा' और पंजाबी फिल्म कुड़ी हरियाणे वाली, स्टेज ऐप पर 'चंद्रो का चूल्हा' में उनके 3 एपीसोड हैं। संगीता देवी ने हरियाणवी परिधान में स्टेज ऐप पर हरियाणवी संस्कृति और पहनावा दोनों को प्रमोट किया है। इनकी आने वाली फिल्मों में अग्निवीर जैसे कई नाम हैं। इन सबसे अलग उनकी पेंटिंग की दुनिया है। क्राफ्ट और पर्यावरण के लिए समर्पित इन्होंने 3000 से ज्यादा पेड़ लगाए हैं। इसके अलावा कला जीवन समिति के तहत आर्ट वर्कशॉप, गरीब बच्चों की पढ़ाई में हर संभव सहायता करना, हरियाणवी खानपान और पहनावे को बढ़ावा देना ही उनका मुख्य उद्देश्य है।

संगीता देवी का जन्म हरियाणा के भिवानी जिले के गांव बामला में हुआ। इनके पिता गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल में अध्यापक थे। दादी का हरियाणवी क्राफ्ट बहुत अच्छा था। उनके प्रभाव से ही संगीता ने भजन, कीर्तन, शादी-ब्याह के गीत, जकड़ी, त्यौहार के गीत सब उनके साथ रहकर सीखे।

10वीं के बाद शादी हो गई और पढ़ाई पर भी रोक लग गई थी। शादी के बाद उनके जीवन में अनेक उतार-चढ़ाव आए। आर्थिक विसंगति से जूझते हुए शादी के बाद नेशनल ओपन से 12वीं पास की। आदर्श महिला महाविद्यालय से बीए-बीएड की। इन्होंने एंडी हरियाणा टीवी चैनल से जुड़कर अनेक गीत करने के अवसर मिले। वह धीरे-धीरे फिल्म लाइन से भी जुड़ गई। इनकी अभिनय की शुरुआत डायरेक्टर संदीप बसवाना की बॉलीवुड फिल्म 'हरियाणा' से हुई। हरियाणवी सिनेमा में आए उतार-चढ़ाव के संबंध में पूछने पर संगीता देवी का मानना है कि हरियाणा में फिल्म 'चंद्रावल' की धूम आज भी है। उसके बाद दर्जनों फिल्में आई। इनमें कुछ उम्दा भी रहीं लेकिन कोई भी फिल्म जनता का ध्यान नहीं खींच पाई। एक लंबे अर्से के बाद हरियाणवी संस्कृति एक बार फिर से जी उठी, जब यशपाल शर्मा ने ऐतिहासिक फिल्म 'दादा लखमी' बनाई। स्टेज एप पर अपने काम करने के अनुभव के बारे में संगीता देवी बताती हैं कि उन्होंने स्टेज ऐप के साथ काफी प्रोजेक्ट किए हैं जैसे चंद्रो का चूल्हा, ओपरी पराई, जिद, गौरव की स्वीटी, रंडुआ रामफल आदि। वे बताती हैं कि स्टेज एप के साथ काम करने का उनका बहुत अच्छा अनुभव रहा है। सरकार फिल्म बनाने के लिए जो पॉलिसी लेकर आई है उसके संदर्भ में संगीता का मानना है कि इसका लाभ अभी तक किसी को नहीं मिला है। जब मिलना शुरू होगा तो लोग और अच्छा काम कर पाएंगे। प्रोड्यूसर भी पैसा लगाने से घबराएंगे नहीं। इसके ज़रिए हरियाणवी फिल्मों का एक सुखद भविष्य देखा जा सकता है। उन्हें यक़ीन है कि यदि सरकार सहायता करती है तो जरूर बदलाव ज़रूर आएंगे। आने वाले समय में संगीता देवी हरियाणवी सिनेमा को एक बदलाव के रूप में देख रही है। उनका मानना है कि अब लोग जागरूक हो रहे हैं बिना किसी चमक धमक के रियल काम हो रहा है। संस्कृति के साथ संस्कारों की बात हो रही है। आने वाला समय वह काफ़ी अच्छा देख पा रही हैं। हरियाणवी में फिल्में तो बन रही हैं लेकिन थियेटर में लोगों के न आने के क्या कारण हैं, इस पर संगीता देवी ने बताया कि इसे जनता में जागरूकता की कमी कहें या लोगों का सुविधा भोगी, कुछ भी कहना मुश्किल है। आजकल इतने ओटीटी प्लेटफार्म मिल गए हैं उनसे घर बैठे फोन में ही सब कुछ दिख रहा है। लोगों को घरों से बाहर निकालने के लिए अच्छे कॉन्सेप्ट चाहिए। अच्छे प्रचार की भी आवश्यकता है। अच्छी फिल्मों के साथ-साथ अच्छा प्रचार भी चाहिए।

थियेटर के प्रति दर्शकों का रुझान कम

अभिनेत्री संगीता देवी का मानना है कि ओटीटी प्लेटफॉर्म आने से थियेटर के प्रति दर्शकों का रुझान कम हो रहा है। जब बहुत सारे ओटीटी प्लेटफार्म होते हैं तो लोग फिर सुविधाएं देखने लगते हैं। ओटीटी प्लेटफार्म पर फिल्म हो या वेबसीरीज़, घर बैठे देखने को मिल जाती हैं। दर्शकों का रुझान कुछ समय के लिए कम हो सकता है पर ख़त्म जैसी कोई बात नहीं है। आज भी लोग काफी संख्या में फिल्में सिनेमा घर में देखते हैं। लोगों के स्पोर्ट और सरकार की सहायता से कुछ और अच्छे प्रयास करने जरूरी हैं जिनसे लोग घरों से निकलने को मजबूर हों।

खबर संक्षेप

गोपाल गोशाला बिहाली में लगाई सवामणी

मंडी अटेली। श्री कृष्ण बाल गोपाल गोशाला बिहाली में रविवार को कंठी निवासी शीलेश पुत्र गौरव के जन्मदिन पर उसके दादा मास्टर हनुमान ने 21 हजार रुपये व गोमाता के लिए सवामणी लगाई। इसके अलावा 11 हजार रुपये पंडित हरलाल शर्मा व 51 सौ रुपये राजेश सेठ ने गोमाता की सेवा के लिए गोशाला को दिए। इस मौके पर गोशाला प्रधान महावीर सिंह ने कमेटी सदस्यों के साथ सवामणि आयोजकों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि गाय, गंगा, गीता, गायत्री भारत-भारती का आधार है। विद्वानों का मानना है कि गोसेवा से भौतिक, दैविक व आध्यात्मिक शुद्धि होती है। गोमाता की तृप्ति से देव व पितृ जनों की प्रसन्नता प्राप्त होती है और अनिष्ट भी टल जाते हैं।

राज्य सरकार योजनाएं चलाकर किसानों को कर रही प्रोत्साहित

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसान को देसी गाय पालने पर मिलेंगे 30 हजार रुपये

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा सरकार ने देसी गाय को पालने की योजना शुरू की है। इस योजना के तहत जो किसान देसी गाय पालने के साथ प्राकृतिक खेती करता है, उस किसान को 30 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। किसान की ओर से प्राकृतिक खेती करने का प्रशिक्षण लिया होना अनिवार्य है। जानकारी के मुताबिक देशभर में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिल रहा है। राज्य सरकार योजनाएं चलाकर किसानों को इसके लिए प्रोत्साहित कर रही है। ऐसे में हरियाणा सरकार की योजना किसानों के लिए वरदान साबित हो सकती है। सरकार ने गोसेवा का बजट 40 करोड़ रुपये से बढ़ाकर चार सौ करोड़ रुपये किया है। इसके अलावा अपने घरों में गाय पालने

वाले किसानों को सरकार 30 रुपये की राशि दे रही है। ऐसे में किसान सरकार की मदद से प्राकृतिक खेती अपनाकर ज्यादा मुनाफा कमा सकते है। इस योजना से साफ है कि सरकार देसी गाय पालन व प्राकृतिक खेती दोनों को बढ़ावा देना चाहती है।

प्राकृतिक खेती देसी गाय पर आधारित

प्राकृतिक खेती देसी गाय पर आधारित है। जिसमें रासायनिक खादों का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। इसलिए खेती की लागत कम होती है। प्राकृतिक खेती में देसी गाय के गोबर से बनी खाद और अन्य प्राकृतिक तरीके से बनाए गए कीटनाशी आदि का इस्तेमाल किया जाता है। जिससे उपजे उत्पाद स्वास्थ्य के लिए किसी वरदान की तरह माने जाते है। इस तरह प्राकृतिक तरीके से तैयार की गई खेती के बाजार में अच्छे रेट मिलते है।

प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण जरूरी

ब्लॉक एग्रीकल्चर ऑफिसर हरीश कुमार ने बताया कि कृषि व किसान कल्याण विभाग में प्राकृतिक खेती के साथ देसी गाय का पालन करने पर 30 हजार रुपये देने की योजना है। योजना में किसान को प्राकृतिक खेती करने का प्रशिक्षण लेना जरूरी है। प्रशिक्षण लेने के लिए खर्च विभाग वहन करता है। किसान को निर्धारित सेंटर जींद या कुरुक्षेत्र जाना होता है।

खेती के लिए देसी गाय लाभदायक

प्राकृतिक उत्पादों की मांग बहुत होती है और महंगे दामों पर बिकते है, लेकिन अभी प्राकृतिक खेती से उत्पादन बेहद कम होता है। प्राकृतिक खेती का आधार देसी गाय इसलिए है, क्योंकि देसी गाय के एक ग्राम गोबर में 300 से 500 करोड़ तक सूक्ष्म जीवाणु मौजूद होते है। इसकी तुलना में विदेशी गाय के एक ग्राम गोबर में काफी कम सूक्ष्म जीवाणु पाएं जाते है जिनकी संख्या करीब 78 लाख है।

नारनौल। प्रभात फेरी निकालते हुए। फोटो : हरिभूमि

शहर में निकाली 108वीं प्रभातफेरी भक्तिमय हुआ वातावरण

नारनौल। राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 108वीं प्रभात फेरी का नई सराय सैन चौक से किया गया। भक्तिमय वातावरण में यजमान घनश्याम गुप्ता ने परिवार सहित ठाकुर जी की पूजा अर्चना व आरती कर प्रभात फेरी का शुभारंभ किया। तत्पश्चात उन्होंने सभी भक्तों को चंदन तिलक लगाकर मंगलमय यात्रा की शुरूआत करवाई। जिसमें सैकड़ों की संख्या में भक्तगण शामिल थे। प्रभात फेरी यजमान के निवास स्थान से प्रारंभ होकर नई सराय में परिक्रमा करते हुए पुनः यजमान के निवास स्थान पर सम्पन्न हुई।

यात्रा के दौरान विभिन्न स्थलों पर भक्तों ने प्रभात फेरी को रोककर ठाकुर जी की आरती की व भजन कीर्तन किया। परिक्रमा मार्ग में धर्मप्रेमियों ने पुष्प वर्षा कर प्रभात फेरी का भव्य स्वागत किया व सनातन धर्म के जयकारे लगाए। कार्यक्रम के अंत में यजमान को भागवत कथा की पुस्तक भेंट की गई। सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। इस दिव्य प्रभात फेरी ने श्री गिरिराज गोवर्धन की 84 कोस परिक्रमा का अनुभव करवा दिया। श्रद्धालु ताल से ताल मिलाकर भक्ति संगीत में झूमते रहे, जिससे शहर का प्रत्येक कण राधा कृष्ण की भक्ति में डूबा नजर आया।

संस्कृत अध्यापक पहलवान वीरेंद्र शास्त्री ने राज्य स्तर पर जीता रजत

हरिभूमि न्यूज. नारनौल

राजकीय कन्या उच्च विद्यालय बसीरपुर में बतौर संस्कृत अध्यापक कार्यरत पहलवान वीरेंद्र कुमार शास्त्री ने रोहतक में आयोजित अखिल भारतीय सिविल सेवा कुश्ती प्रतियोगिता में राज्य स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर उन्हें रजत पदक से सम्मानित किया गया। रजत पदक जीतने पर बसीरपुर स्कूल की मुख्याध्यापिका जयंती बाई, मौलिक मुख्याध्यापक राजेश कुमार, महात्मा सुशील देव, संगीता यादव, रामस्वरूप डीपीई, सुनील बाबूजी, विक्रांत, प्रियंका, ज्योति, नवीन, रेणु, सीमा, कलावती, सोहन, राहुल तथा बसीरपुर के सरपंच प्रतिनिधि अमित कुमार एवं ग्रामवासियों ने पहलवान

नारनौल। वीरेंद्र शास्त्री को कुश्ती जीतने पर विजेता घोषित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

वीरेंद्र कुमार शास्त्री को बधाई दी तथा राज्य स्तर पर इलाके का नाम रोशन करने के लिए उनका आभार भी प्रकट किया।

नारनौल। शहर में प्रभातफेरी निकालते हुए। फोटो : हरिभूमि

द्वादशी के अवसर पर निकाली प्रभातफेरी

नारनौल। शहर की प्रसिद्ध धार्मिक संस्था प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को रेलवे रोड से 125वीं प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। प्रभात फेरी के मुख्य यजमान लखनलाल व संजीव कुमार से ठाकुर जी व निशान का विधि विधान से पूजन करवाया। प्रभात फेरी संस्था के संस्थापक घनश्याम गर्ग के नेतृत्व में आयोजित की गई। पूजन के पश्चात प्रभात फेरी का शुभारंभ रेलवे स्टेशन के सामने से शुरू होकर अग्रसेन कॉलोनी गली नंबर एक से होते हुए वापस यजमान के निवास पर पहुंचकर संपन्न हुई। प्रभात में मौजूद महिला, पुरुष व बच्चों ने राधा रानी के जयकारे लगाए। वहीं संदीप गोयल ने अपने भजनों के माध्यम से भक्तों को झूमने पर विवश कर दिया। प्रभात फेरी के दौरान लोगों ने जगह जगह ठाकुर जी का भव्य स्वागत किया व पुष्प वर्षा कर सभी को प्रसाद वितरित किया। ठाकुर जी की शोभायात्रा में विभिन्न प्रकार के वाद्य यंत्रों व राधा रानी के भजनों से वातावरण में भक्त झूम उठे। इस मौके पर जया अग्रवाल, रजनी गर्ग, कृष्ण शर्मा, संतोष कुमारी, मीडिया प्रभारी सोमदेव शर्मा, चेतन जिंदल, भूपेश संघी, सुभाष गर्ग, हेमू पटियाला आदि मौजूद थे।

कांटी में योग शिविर आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

क्षेत्र के गांव कांटी में योग शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें भारतीय योग संस्थान की ओर से फरीदाबाद से आए हुए योग शिक्षक इंजीनियर हरिराम यादव व रेजांगला स्पोर्ट्स अकादमी के सहयोग यह एक दिवसीय योग शिविर लगाया। शिविर का उद्देश खिलाड़ियों व विद्यार्थियों में शारीरिक, मानसिक व बौद्धिक विकास को बढ़ाना रहा। इसमें लगभग 50 की संख्या में खिलाड़ियों व ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर योग शिक्षक हरिराम यादव ने बताया कि योग से खिलाड़ियों का मानसिक विकास होता है। योग से हमारी आंतरिक शक्तियों का जागरण होता है, जिससे तनाव एंजायटी अवसाद जैसे मानसिक रोगों से बचाव किया जा सकता है। इसके साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को विशेष ध्यान देने

अटेली। कांटी में योग करवाते हुए। फोटो : हरिभूमि

योग्य जीवनशैली से जुड़ी 30 प्रश्नरूपी बातों से मौजूद खिलाड़ी व बच्चों का मूल्यांकन किया, जिसमें खाना खाने से लेकर जागने की प्रक्रिया एवं टीवी मोबाइल से कैसे दूर रहा जाए, बाहर का तला हुआ खाना व फास्ट फूड और नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने तथा कैसे इनके दुरूपयोग से बचा जाए जैसी जीवनशैली की महत्वपूर्ण बातों पर चर्चा की गई। अंत मे कोच ललित डाबड़ ने योग आचार्य को धन्यवाद करते हुए कहा कि इस तरीके के योग सत्र होते रहने चाहिए। योग से विकास तो होगा ही साथ ही वो अच्छे खिलाड़ी और विद्यार्थी बनने के साथ-साथ अच्छे इंसान बनकर समाज, संस्कृति, राष्ट्र में अहम योगदान दे सकेंगे। इस मौके पर डा. हरीश यादव, कृष्ण, छत्तर सिंह, प्रेम यादव, कृष्णा देवी व राकेश देवी मौजूद रहे।

सिहमा में युवाओं ने सफाई अभियान चलाकर दिया स्वच्छता का संदेश

हरिभूमि न्यूज मंडी ▶▶| अटेली

क्षेत्र के गांव सिहमा के युवाओं की टीम ने गांव में सफाई अभियान चलाकर स्वच्छता का संदेश दिया। युवाओं ने अनुसूचित जाति चौपाल को इस सफाई अभियान से चकाचक कर दिया। ग्रामीण रोहतास, तेजराम, जगदेव, महिपाल, महावीर, सुरेश, राजकुमार, विक्रम ने सफाई अभियान में युवाओं को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने के लिए प्रेरित किया था। उन्होंने बताया कि सभी लोग अपने आसपास को स्वच्छ एवं साफ सुथरा रखें। इससे बीमारी से बचा जा सकता है।

घर एवं सार्वजनिक स्थानों के कूड़े कचरे को कूड़े दान पर डालें, जिससे गांव घर में गंदगी नहीं फैलेगी। एक छोटी सी पहल से कई बड़ी बीमारियों से बचा जा सकता है। सभी लोगों को स्वच्छता में विशेष रुचि लेकर अपने घर व आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने के लिए आगे आना चाहिए। यदि हम अपने घर और गलियों को स्वच्छ रखेंगे, तभी हमारा गांव स्वच्छ रह पाएगा।

पर्यावरण संरक्षण एवं वातावरण को साफ

मंडी अटेली। चौपाल में सफाई अभियान चलाते युवा। फोटो : हरिभूमि

सुथरा रखने के लिए हमें अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता को विशेष महत्व देना चाहिए। इस मौके पर युवा विजयपाल, कृष्ण, सुरेंद्र, विक्की, महेश कुमार, सुरेश कुमार, योगिंद्र, सोनू, विक्की आर्य, मोनू, रितिक, अनूप कुमार व नीरज कुमार आदि युवा मौजूद रहे।

आंबेडकर चौक पर मनाई जाएगी रविदास जयंती

- डॉ. भीमराव आंबेडकर चौक पर समाज के लोगों की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

डॉ. भीमराव आंबेडकर चौक पर समाज के लोगों की रविवार को बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता एसएलएलजी अमन फाऊंडेशन भारत के चेयरमैन सुंदरलाल जोरासिया ने की। बैठक में निर्णय लिया गया कि समाज उत्थान के लिए परिचय सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा डॉ. भीमराव आंबेडकर चौक पर गुरु रविदास जयंती भी 12 फरवरी को मनाई जाएगी। जयंती अवसर पर लंगर का आयोजन भी किया जाएगा तथा गुरु रविदास के चित्र पर पुष्पार्पित भी किए जाएंगे। इस दौरान समाज में फैली कुरीतियों, बुराइयों, अंधविश्वास, पाखंडवाद, देहजप्रथा, पर्दाप्रथा, अशिक्षा को खत्म करने के लिए समाज के लोगों को जागरूक

महेंद्रगढ़। चौक पर बैठक करते समाज के लोग। फोटो : हरिभूमि

किया जाएगा। उन्होंने बताया कि परिचय सम्मेलन भी आयोजित किया जाएगा, जिसमें योग्य विद्यार्थियों का रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है। विद्यार्थी आंबेडकर चौक पर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

इस अवसर पर मालड़ा के पूर्व सरपंच धन्नाराम, पूर्व हैंड मास्टर ताराचंद, रामअवतार मांडेया, पूर्व प्रधान हरिसिंह, संतलाल खिंची, जीतराम कलोरिया, ज्ञानसिंह जांगिड़, जिलेसिंह, शिशराम, सूबेदार मेजर छाजूराम, सुभाष भांडोर, हंसराज, नरेश निम्बहेड़ा, दाताराम, अमन बौद्ध, आशीष, राजेश मेहरा, श्यामलाल अरोड़ा, राकेश दहिया, हंसराज, जिले सिंह व आशुतोष गौतम आदि मौजूद रहे।

नारनौल। श्री नामदेव सभा भवन में मन के मोती पुसतक का विमोचन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

मन के मोती पुस्तक का विमोचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

महेंद्र कुमार वर्मा रतन की ओर से रचित कविता संग्रह मन के मोती का विमोचन रविवार को श्री नामदेव समाज समिति के तत्वावधान में नामदेव भवन में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुभाष चंद वर्मा ठेकेदार, विशिष्ट अतिथि अशोक कुमार मंगलेश के साथ वरिष्ठ पत्रकार बाबूलाल वर्मा व जुगेन्द्र कुमार वर्मा उपस्थित रहे।

कविता संग्रह मन के मोती का प्रकाशन निर्मला प्रकाशन चरखी दादरी की ओर से किया गया है। जिसमें कुल 72 कविताओं को 178 पेज में समाया गया है। पुस्तक की समीक्षा डा. संजय कुमार वर्मा ने की। उन्होंने बताया कि एक गैर साहित्यिक पृष्ठभूमि के व्यक्ति की ओर से अपने विचार व शब्दों को माध्यम से कविता का सृजन करना काफी सुखद व प्रेरक है। कवि ने अपनी पुस्तक में काव्य के विभिन्न पक्षों को बड़े ही सरल एवं सुंदर ढंग से समझाया है। अशोक कुमार मंगलेश ने मन के मोती काव्य के बारे में कहा कि कवि ने अपनी भावनाओं को मोती के रूप में व्यक्त कर समाज को एक संदेश दिया है। परमानंद दीवान ने कहा कि कवि ने उर्दू शब्दों का प्रयोग बड़े ही सुन्दर ढंग से किया है।

न्यूरोथेरेपी कैम्प में 172 मरीजों की जांच व इलाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट व वेदांत योग तथा न्यूरो आयुर्वेदिक चिकित्सालय के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क न्यूरोथेरेपी शिविर का आयोजन किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय शर्मा ने बताया कि रविवार को प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट की ओर से वेदांत योग एवं आयुर्वेदिक चिकित्सालय के सहयोग से कर्मचारी कॉलोनी में निःशुल्क न्यूरोथेरेपी व नेचरोथेरेपी शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 172 मरीजों की जांच व इलाज न्यूरो एवं आयुर्वेद विशेषज्ञ डा. रोहतास आर्य, नेचरोपैथी योगा विशेषज्ञ रीना वर्मा ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर परिषद की पूर्व अध्यक्ष भारती सैनी थ। विशिष्ठ अतिथि शिक्षाविद व समाज सेविका सुधारानी गौड़ रेवाड़ी थी। समारोह की अध्यक्षता ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय शर्मा ने की। विशेष आमंत्रित अतिथि पूर्व खण्ड शिक्षा अधिकारी मानसिंह नूनीवाल, स्वर्णकार राजनीति भागीदारी मंच की जिला अध्यक्ष रवीना सोनी, डा. कृष्णा आर्य, प्रो. गीता यादव थी। मुख्य अतिथि भारती सैनी ने कहा कि ऐसे शिविर सेवा के बहुत सहज व सरल केंद्र होते हैं। विशिष्ठ अतिथि सुधारानी गौड़ ने कहा कि शिक्षक ट्रस्ट व वेदांत केंद्र के इस कार्यक्रम ने सैकड़ों लोगों को स्वास्थ्य सेवाए देकर जो पुण्य कार्य किया है वह अनुपम उदाहरण है। डा. रोहतास व रीना वर्मा ने बताया कि आयुर्वेद केंद्र पर आयोजित शिविर में जोड़ों का दर्द, सर्वाइकल, सायटिका, कमर दर्द, घुटनों का दर्द, माइग्रेन संबंधी बीमारियों के विषय में परामर्श के साथ इलाज भी किया। ट्रस्टी भीमसेन शर्मा व राकेश शर्मा ने बताया कि शिविर में निःशुल्क न्यूरोपैथी की सेवाएं उपलब्ध रही। डा. रोहतास आर्य व रीना वर्मा के अतिरिक्त प्रद्युम्न यादव, सुनील कुमार, योगेश यादव, प्रशांत आर्य, नीरज आर्य ने भी सेवाएं दी। इस मौके पर कृष्ण शर्मा एडवोकेट, भीमसेन शर्मा, राकेश शर्मा, ट्रस्टी अमित शर्मा, ट्रस्टी अजय शर्मा, प्रवक्ता बिजेंद्र सिंह, हितेंद्र बोहरा, दिनेश कौशिक, कवींद्र सचदेवा, राजकुमार सैन, आनंद जोशी, सुभाष सिंगला, अमीचंद सैनी, प्रेमलता सैनी, प्रमोद शर्मा आदि मौजूद थे।

नारनौल। शिविर में मरीजों की जांच करते चिकित्सक व विशिष्ठ अतिथि सुधा रानी को सम्मानित करते आयोजक। फोटो : हरिभूमि

खबर संक्षेप

नारनौल। एचपीएस स्कूल के विद्यार्थी व स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

हर्षित मिस्टर और हिमानी मिस फेयरवेल

नारनौल। नांगल चौधरी रोड स्थित हरियाणा पब्लिक स्कूल में रविवार को शुभकामना समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों ने 12वीं के विद्यार्थियों को शुभकामनाएं भेंट करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की व नम आंखों से अपने सार्थियों को विद्यालय से विदा करते हुए अपना एवं अपने विद्यालय का नाम रोशन करन हेतु प्रेरित किया। विद्यार्थियों के बीच आयोजित पुशअप, बैलून फोड़ना, आलू छीलना, मिर्च खाना, कैटवॉक, जनरल नॉलेज पर आधारित प्रश्नोत्तरी व विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं के आधार पर मिस्टर व मिस आर्ट्स लोकेश व हिमानी को मिस्टर, मिस साइंस हर्षित व स्वीटलक तथा मिस्टर व मिस कॉमर्स गौरव सैनी व प्रिया को चुना गया। इनके उपरांत ओवरऑल मिस्टर फेयरवैल विज्ञान संकाय से हर्षित, कला संकाय से हिमानी को मिस फेयरवेल के खिताब से नवाजा गया। विद्यालय एमडी डा. हितेश वर्मा निधि वर्मा, निदेशक पुष्करमल वर्मा ने विजेताओं को क्रॉउन व पटका पहनाया।

सतनाली मोड़ से देवीलाल पार्क पर खराब पड़ी है स्ट्रीट लाइटें

एक किमी में पूर्व मंत्री व दो विधायक के आवास होने के बाद भी 'अंधेरा'

- लगी करीब 10 स्ट्रीट है खराब, 5 हजार की आबादी को उठानी पड़ रहीं है परेशानी
- इस मार्ग पर पड़ता है विधायक कंवर सिंह यादव, पूर्व शिक्षामंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा व पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह के आवास
- दोनों विधायक और पूर्व मंत्री है भाजपा पार्टी से, शहरी सरकार भी है भाजपा की

महेंद्रगढ़। विधायक कंवर सिंह यादव के आवास की तरफ जाने वाले मार्ग पर छाया अंधेरा। फोटो : हरिभूमि

महेश कुमार ▶▶| महेंद्रगढ़

स्थानीय राजनेता अक्सर अपने भाषण में जनता को क्षेत्र को विकास के मामले में पीछे नहीं रहने देने का आश्वासन देते हैं, लेकिन महेंद्रगढ़ शहर में एक ऐसा मार्ग भी है, जिस पर एक पूर्व मंत्री, वर्तमान विधायक व पूर्व विधायक का होने के बाद भी अंधेरा छाया रहता है। ऐसे में सवाल उठता है कि मंत्री और विधायक जब अपने आवास के समीप ही जनता की समस्याओं की तरफ ध्यान नहीं दे पा रहे है तो क्षेत्र का विकास कैसे कराएंगे। बता दें कि सतनाली मोड़ में महेंद्रगढ़ शहर में प्रवेश करने का मुख्य मार्ग है। इस मार्ग से प्रतिदिन हजारों की संख्या में आवागमन करते है। लेकिन शाम होते ही लोग से इस मार्ग से दूरी बनाना शुरू कर देते है। जिसकी वजह से इस मार्ग पर स्ट्रीट लाइटों का खराब है। वैसे तो नगर पालिका की ओर से शहर के सतनाली मोड़ से देवीलाल पार्क तक करीब 10 स्ट्रीट लगा रखी है, लेकिन सभी स्ट्रीट काफी दिन से खराब पड़ी है। ऐसे में आसपास की 5 हजार की आबादी को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं रात के समय लोगों की परेशानी ओर अधिक बढ़ जाती है। क्योंकि रात के समय वाहन चालकों को सड़क पर बने गहरे गड्ढे दिखाई नहीं देते। ऐसे में हादसा होने की आशंका बनी रहती है।

दूर नहीं हो रहा अंधेरा

सतनाली मोड़ से शहर में प्रवेश करते ही करीब 100 मीटर चलने के बाद भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा का आवास है। इसके अलावा वर्तमान विधायक कंवर सिंह यादव का आवास भी इसी मार्ग पर पड़ता है। वहीं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह भी इसी मार्ग पर रहते है। पूर्व विधायक राव बहादुर विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हुए है। इसके अलावा मार्ग पर दो से तीन बैंक तथा करीब 10 कोचिंग सेंटर में हजारों की संख्या में आने वाले लोगों को परेशानी उठानी पड़ रहीं है। इसके अलावा रात के समय सब्जी मंडी में आने वाले किसान भी इसी मार्ग से गुजरते है। इस मार्ग का अंधेरा दूर करने के लिए नगर पालिका के अधिकारियों की ओर से कोई कदम नहीं उठाए जा रहे है। जबकि नपा में अध्यक्ष और अधिकाशं पार्षद भी भाजपा समर्थित है।

19 माह से है स्ट्रीट लाइट का इंतजार

17 मार्च 2023 को शहर की नपा को प्रदेश सरकार द्वारा हायर की गई एजेंसी के माध्यम से 2300 स्ट्रीट लाइट मिली थी। लंबे समय तक अधिकारी नई स्ट्रीट लगाने का टेंडर नहीं लगा पाए। इसके बाद लोकसभा चुनाव आ गए। वर्ष 2024 में नपा की ओर से शहर में नई स्ट्रीट लाईट लगाने का टेंडर लगाया गया, लेकिन किसी कारणवशं टेंडर कैंसिल हो गया है। अब एक बार फिर नपा की ओर से नई स्ट्रीट लाईट लगाने का टेंडर जारी किया है। इन स्ट्रीट लाइट की पांच साल गांरटी होगी तथा 20 से 120 वॉट की एक हजार एलईडी लाइट लगाई जाएंगी। जिसमें 20 वॉट की एक हजार लाईट, 36 वॉट की 500 लाईट, 45 वॉट की 500 लाईट, 90 वॉट की 200 लाईट तथा 120 वॉट 113 एलईडी लाइट लगाने की योजना तैयार की गई है।

ठीक कराई जाएंगी लाइटें

उनके संज्ञान में अभी स्ट्रीट खराब होने का मामला सामने आया है। जल्द ही सभी स्ट्रीट लाईटों को रिपयेर कराया जाएगा। नई स्ट्रीट का भी टेंडर जारी कर दिया है। अगर जरूरत पड़ी तो नई स्ट्रीट लाईट लगवा दी जाएगी। -**रमेश सैनी** नगर पालिका के प्रधान

महेंद्रगढ़। मनोज गौतम को बधाई देते हुए। फोटो : हरिभूमि

मनोज बने हिंदुस्तान स्काउटस एंड गाइड्स एसोसिएशन के राज्य अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हिंदुस्तान स्काउटस एंड गाइड्स एसोसिएशन राज्य कार्यकारिणी का चुनाव कुरुक्षेत्र के एमजी वैंड होटल में किया गया। इस चुनाव में हरियाणा राज्य के लगभग सभी जिलों से प्रतिनिधि चुनाव में भाग लेने के लिए पहुंचे। सर्व सम्मति से सभी ने मनोज गौतम महेंद्रगढ़ को हिंदुस्तान स्काउटस एंड गाइड्स एसोसिएशन हरियाणा राज्य का राज्य अध्यक्ष, अजय कुमार फरीदाबाद को राज्य सचिव, रिशाल सिंह पलवल को राज्य कोषाध्यक्ष एवं राजकमल को चैयरमैन सर्व समिति से चुना गया। इस चुनाव में नेशनल टीम से संयुक्त सचिव डॉ. अतुल कुमार, इंटरनेशनल कमिश्नर एनके जोशी, कमिश्नर रागिनी सिंह, धर्मेंद्र आदिके के कुशल मार्ग निर्देशन की उपस्थिती में चुनाव संपन्न हुआ। हरियाणा सरकार के दो अधिकारी मनोज कुमार एवं प्रीतम सिंह रिटर्निंग अधिकारी के तौर पर मौजूद रहे। हिंदुस्तान स्काउटस गाइडस एसोसिएशन हरियाणा राज्य के सभी जिलों से आए प्रतिनिधियों ने नवनियुक्त राज्य अध्यक्ष, राज्य सचिव एवं चेयरमेन को बधाई दी। नवनियुक्त राज्य अध्यक्ष मनोज गौतम ने सभी का धन्यवाद करते हुए कहा कि हिंदुस्तान स्काउटस गाइडस विद्यार्थियों में अनुशासन स्थापित तो करती ही है साथ-साथ विद्यार्थियों के नैतिक, शारीरिक, मानसिक में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हिंदुस्तान स्काउट्स गाइड्स संगठन की राज्य कार्यकारिणी प्रदेश भर के विद्यार्थियों को स्काउटिंग ट्रेनिंग देने के लिए प्रतिबद्ध रहेगी। मनोज गौतम राज्य अध्यक्ष बनने पर महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव, केंद्रीय विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रोफेसर टकेश्वर कुमार, अनिल सिंह, अजमेर सिंह, नवीन कुमार, राजेश डागर, राजदीप यादव, खुडाना के सरपंच नरेश सिंह, ब्लॉक समिति वाइस चेयरमैन प्रतिनिधि रणधीर सिंह, ब्राह्मण सभा के प्रधान दिनेश चंद्र वैद्य, गढ़ी के सरपंच कर्मवीर सैनी, समाजसेवी नवीन मित्तल, शिक्षाविद्ध कर्मवीर यादव, इलाके के समाज सेवियों एवं शिक्षा अधिकारियों ने मनोज गौतम को हिंदुस्तान स्काउट गाइड एसोसिएशन का राज्य अध्यक्ष बनने पर बधाई दी है।

मॉडर्न स्कूल में स्कॉलरशिप परीक्षा

महेंद्रगढ़। परीक्षा देने आए विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल में रविवार को नए सत्र के लिए स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें आसपास के क्षेत्र से विभिन्न गांवों से लगभग 1350 विद्यार्थियों ने भाग लिया। विभिन्न गांवों से आए इन विद्यार्थियों का विद्यालय में पहुंचने पर विद्यालय के चेयरमैन सतन सिंह व प्राचार्य प्रदीप तंवर ने स्वागत किया। चेयरमैन सतन सिंह ने बताया कि विभिन्न प्रकार के स्कूलों से आए बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए व उनके मूल्यांकन को परखने के लिए, उनकी प्रतिभा को जांचने के लिए इस प्रकार की परीक्षा का आयोजन किया गया है। उन्होंने क्षेत्र के उन अभिभावकों का भी धन्यवाद किया। जिन्होंने विद्यालय में इतनी बड़ी संख्या में अपने बच्चों को भेजकर इस परीक्षा में अपना योगदान दिया। प्राचार्य प्रदीप तंवर ने बताया कि स्कॉलरशिप परीक्षा में कक्षा प्रथम से 11वीं तक के विद्यार्थियों को मौका दिया गया था।

रिटायर्ड कर्मचारी संगठन के चुनाव कल प्रदेश अध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई बैठक

नारनौल। रिटायर्ड कर्मचारी संगठन की विशेष बैठक बस स्टैंड प्रांगण में प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल यादव व मुख्य संगठन सचिव महेंद्र सिंह यादव ने रिटायर्ड कर्मियों की कैशलेस मेडिकल, 65, 70, 75 वर्ष उपरांत पांच, 10, 15 प्रतिशत की बेसिक पे में बढ़ोतरी, कॉम्प्यूटेशन की रिकवरी 15 वर्ष की बजाय 12 वर्ष करना, फैमिली पेंशनर को एलटीसी की सुविधा देना, मेडिकल भत्ता 1000 रुपये से बढ़ाकर 3000 करना आदि मांगों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि लगातार संघर्ष करने के उपरांत सरकार मांगों को नजर अंदाज कर रही है, जो आगे आने वाले समय में सरकार को भारी पड़ेगा। की बैठक में नारनौल तहसील व नांगल चौधरी तहसील का सर्वसम्मति से चुनाव करवाया गया। वहीं 11 फरवरी को जिला महेंद्रगढ़ के चुनाव करवाए जाएंगे। जिसमें अटेली, नारनौल, नांगल चौधरी, कनीना से भारी संख्या में रिटायर्ड कर्मचारी भाग लेंगे। नारनौल तहसील में चुने हुए पदाधिकारियों में प्रधान वीरभान सिंह, वरिष्ठ उपप्रधान मंतूराम, सचिव सत्यवीर, अध्यक्ष कंवर सिंह, श्योराज कैशियर, दयाराम, मुख्य संगठन सचिव कन्हैयालाल, उपप्रधान बलवंत सिंह, ईश्वर सिंह, सोमदत्त व नांगल चौधरी से प्रधान घनश्याम, वरिष्ठ उपप्रधान रामानंद, सुरेश कुमार सचिव, बलबीर सिंह सर्वसम्मति से चुने गए। टीम भविष्य में अपनी मांगों को मंगवाने के लिए आंदोलन की रूपरेखा तैयार करेगी।

विजय इंटरनेशनल स्कूल ने कराटे प्रतियोगिता में किया शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

ऐबक कराटे एसोसिएशन ऑफ हरियाणा द्वारा आयोजित दसवीं जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में विजय इंटरनेशनल स्कूल बलाना के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हरियाणा राज्य में पहला स्थान प्राप्त किया। साथ ही 11 बच्चों का चयन वेस्ट बंगाल में होने वाली राष्ट्रीय स्तर की कराटे प्रतियोगिता के लिए हुआ है। प्रतियोगिता में विजय इंटरनेशनल स्कूल बलाना के छात्रों ने गोल्ड और सिल्वर मेडल दोनों ही श्रेणियों में बेहतरीन प्रदर्शन किया। स्कूल के छात्र देवयानी, अमन, अयान, रिहान और कार्तिकेय ने गोल्ड मेडल हासिल किए, जबकि वीर, तन्मय, दीपांशु, पायल, अंशु और गीतेश ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। इस तरह से स्कूल ने अपनी शानदार मेहनत और खेल में उत्कृष्टता को साबित किया। इसके अलावा विद्यालय ने ओवरआल ट्रॉफी भी अपने नाम की। खिलाड़ियों और उनके कोच का स्वागत विद्यालय के संस्थापक महेंद्र सिंह ने फूलों की माला पहनाकर किया। चेयरमैन विजय यादव टूमना ने बच्चों को पुरस्कृत करते हुए उन्हें राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी। केवल बच्चों की मेहनत का परिणाम नहीं, बल्कि विद्यालय के शिक्षक और कोच के मार्गदर्शन का भी परिणाम है।

महेंद्रगढ़। बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

राव जयराम स्कूल के छात्र यशु ने तीरंदाजी में जीता स्वर्ण पदक

महेंद्रगढ़। राव जयराम सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र यशु ने राष्ट्रीय खेल उत्तराखंड में तीरंदाजी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता है। उनकी इस उपलब्धि पर विद्यालय और पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। यशु ने प्रतियोगिता के विभिन्न चरणों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक का सफर तय किया। निर्णायक मुकाबले में उन्होंने जबरदस्त आत्मविश्वास और सटीक निशानेबाजी का परिचय देते हुए प्रतियोगिता के सर्वश्रेष्ठ तीरंदाजों को हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। यशु की इस उपलब्धि ने न केवल विद्यालय बल्कि पूरे महेंद्रगढ़ जिले को गर्व का अवसर प्रदान किया है। निर्देशक सुरेंद्र कुमार ने कहा कि हमारे विद्यालय के विद्यार्थी हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। यशु की यह उपलब्धि विद्यालय के लिए गौरव का विषय है। उसकी मेहनत, लगन और समर्पण ने उसे इस मुकाम तक पहुंचाया है। उन्होंने बताया कि शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन करना विद्यार्थियों के संपूर्ण विकास के लिए आवश्यक है। यशु की यह सफलता यह दर्शाती है कि हमारे विद्यार्थी न केवल शैक्षणिक, बल्कि खेलों के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। प्राचार्या राजेश यादव ने बताया कि यशु ने यह साबित कर दिया कि यदि सही मार्गदर्शन और मेहनत हो, तो असंभव कुछ भी नहीं है। उसकी इस सफलता से अन्य विद्यार्थियों को भी खेलों के प्रति प्रेरणा मिलेगी। चेयरमैन डॉ. हरिसिंह यादव ने यशु की उपलब्धि पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। यशु ने अपनी सफलता का श्रेय अपने अध्यापक, कोच, माता-पिता को देते हुए कहा कि यह स्वर्ण पदक मेरे लिए केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि सपनों की पहली सीढ़ी है।

प्रतिभा को निखारने में नहीं होने चाहिए आर्थिक बंधनः हरीश भारद्वाज

- बीआर विद्यालय सेहलंग में रविवार को छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विद्यालय में छात्रवृत्ति परीक्षा देने आए विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

बीआर विद्यालय सेहलंग में रविवार को छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा एक से 12 तक के कुल 1877 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस परीक्षा का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी विद्यार्थियों की शैक्षणिक योग्यता एवं विभिन्न कौशल का मूल्यांकन करके उन्हें छात्रवृत्ति प्रदान करना व शिक्षा के समान अवसर प्रदान करना है। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। चेयरमैन हरीश भारद्वाज, उपाध्यक्ष कृष्ण भारद्वाज, प्राचार्य डॉ. राम मोहन वशिष्ठ, उप-प्राचार्या ज्योति भारद्वाज मुख्यातिथि रहे।

दीप प्रज्वलन के उपरांत मुख्यातिथि को विद्यालय के अद्वितीय एवं आधुनिक सुविधाओं वाली विषय प्रयोगशाला तथा अटल टिंकरिंग लैब का अवलोकन कराया गया। प्राचार्य डॉ. राम मोहन वशिष्ठ ने कहा कि इस परीक्षा का उद्देश्य केवल प्रतिभा को आंकना ही नहीं, बल्कि विद्यालय की नीति एवं संस्थापक स्वर्गीय राजेंद्र भारद्वाज की दूरदर्शी सोच को आगे बढ़ाना भी है।

धनौंदा में पर्यावरण रक्षक बाबा चंदनपुरी की बरसौदी मनाई

नारनौल। बाबा चंदनपुरी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते नेताजी अतरलाल व अन्य।

हरिभूमि न्यूज नारनौल

धनौंदा गांव में पर्यावरण रक्षक बाबा चंदनपुरी की बरसौदी धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर बाबा की तपोस्थली आश्रम में भंडारा तथा हवन आयोजित कर श्रद्धालुओं ने बाबा की प्रतिमा पर धोक लगाकर आशीर्वाद लिया। समाजसेवी जननेता अतरलाल ने बाबा चंदनपुरी की मूर्ति पर पुष्प अर्पित कर भंडारे का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उपस्थित बाबा के भक्तों, श्रद्धालुओं व ग्रामीणों को संबोधित करते हुए नेताजी अतरलाल ने कहा कि बाबा चंदनपुरी महाराज वृक्षप्रेमी तथा गोभक्त थे। उन्होंने आसपास सैकड़ों पेड़ पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षित रखने का कार्य किया। अतरलाल ने श्रद्धालुओं से ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने तथा बेटा बेटी की परवरिश में समान व्यवहार करने की अपील की। इस मौके पर अजीत सिंह जिला पार्षद, उधम सिंह, सोनू सवाई सिंह, नत्थूराम, महेश, ईश्वर सिंह, राजेंद्र सिंह, हरफूल सिंह, राममगत, बाबूलाल, रतन सिंह, महेंद्र फौजी, राजू पंडित, प्रदीप, सचिन, रवि कौशिक, पप्पू, संदीप व कल्लूसिंह आदि मौजूद थे।

अरावली स्कूल में स्कॉलरशिप परीक्षा आयोजित

महेंद्रगढ़। अरावली इंटरनेशनल स्कूल में सर्वोत्तम टेलेंट सर्च स्कॉलरशिप परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा मे विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें 2668 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी। इस परीक्षा को चार भाग ए, बी, सी व डी ग्रुप में बांटा गया। परीक्षा को पास करने के पश्चात बच्चों के उनकी फीस के रूप में स्कॉलरशिप दी जाएगी। संस्था चेयरमैन अशोक कुमार ने कहा कि इस प्रकार की परीक्षा से बच्चो में आत्मविश्वास और प्रतियोगिता की भावना का विकास होता है। एमडी रेखा यादव, सीईओ महेश यादव व प्राचार्य शक्ति सिंह ने परीक्षा में भाग लेने वाले विद्यार्थियों का अभिनंदन और उनका धन्यवाद किया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

कार्यक्रम | वरिष्ठ नागरिक संगठन ने की 15 करने की मांग

सिटी में ऑटो का किराया 10 से बढ़ाकर 20 रुपये किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। बैठक करते वरिष्ठ नागरिक। फोटो : हरिभूमि

वरिष्ठ नागरिक संगठन नारनौल की मासिक बैठक किला रोड स्थित साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में संगठन के प्रधान दुलीचन्द शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें परंपरानुसार सर्वप्रथम जिन सदस्यों का जन्मदिन इस मास आता है, उन उपस्थित सदस्यों उपप्रधान ओमप्रकाश मान, हसला के पूर्व प्रधान ओमप्रकाश यादव, ठेकेदार ज्ञानचंद सैनी, बाबूलाल अग्रवाल, अशोक कुमार डोरा और चेतन प्रकाश को सम्मान पट्ट पहनाकर सम्मानित किया गया तथा उनके स्वस्थ जीवन व दीर्घायु होने की कामना की गई। बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया कि सैनिक विश्राम गृह के पास मोड़ पर डिवाइडर होता था, जिसे खत्म कर दिया गया है, उसे पुनः बनवाया जाए और उस पर लाइट भी लगवाई जाए। सभी डिवाइडर पर भी लाइट होनी चाहिए। यह प्रस्ताव भी पारित किया गया कि हुडा सेक्टर में नवनिर्मित डामर की सड़कों के साथ नाली बनाई जाए, क्योंकि नाली न होने की अवस्था में सड़कों पर पानी आने से सड़क जल्दी टूट जाती है। हुडा सेक्टर में ड्रेनेज सिस्टम व सीवरेज सिस्टम भी ठीक किए जाए। सेक्टर में डिस्पेंसरी की व्यवस्था भी होनी चाहिए।

राज्य सरकार के कर्मचारियों पर कैशलैश मेडिकल सुविधा लागू हो चुकी है, किन्तु पेंशनर्स पर कैशलैश सुविधा लागू नहीं की है, जबकि आयु की अधिकता के कारण पेंशनर्स को इस सुविधा की अधिक अवश्यकता है। इसलिए पेशनर्स पर यह सुविधा अविलम्ब लागू की जाए। शहर में शौचालयों की भी व्यवस्था होनी चाहिए। बैठक में ध्यान में लाया गया कि शहर में लोकल श्री विहलर ने लोकल किराया एकबार में ही 10 रुपये से बढ़ाकर 20 रुपये कर दिया है, जो अत्यधिक प्रतीत होता है। इसलिए प्रशासन इसे घटाकर 15 रुपये करवाए। बैठक का संचालन महासचिव मुखराम सैनी ने किया।

बैठक में अजीत जैन, शिवलाल वर्मा, सोहनलाल चौहान, भागीरथ प्रसाद, हरिराम गुप्ता, बाबूलाल अग्रवाल, अशोक कुमार डोरा, ओपी मान, ओपी यादव एडवोकेट, राजकुमार चौधरी, राजकुमार गुप्ता, रामजीलाल मित्तल, बद्री प्रसाद गर्ग, कैलाश चंद निर्मल, उमादत्त शर्मा, सुरेश जांगिड़, ज्ञानचंद सैनी, चेतनप्रकाश, धर्मपाल शर्मा, बीएल सैनी, रविन्द्र चौधरी, वासुदेव गोगिया, सुभाष सिंगल व नरेंद्र कुमार धोलिया आदि उपस्थित रहे।